जिलाधिकारी महोदय के निर्देशानुसार मुख्य विकास अधिकारी महोदय की अध्यक्षता में दिनांक 07.04.2025 को आयोजित जल जीवन मिशन कार्यक्रम फेज–2 व फेज–3 के अन्तर्गत कराये जा रहे कार्यों की समीक्षा बैठक का कार्यवृत्त :–

जिलाधिकारी महोदय के निर्देशानुसार मुख्य विकास अधिकारी महोदय की अध्यक्षता में दिनांक 07–04–2025 को सांय 05:00 बजे जल जीवन मिशन कार्यक्रम फेज–2 व फेज–3 के अन्तर्गत फर्म मै0 ऑयन एक्सचेंज इण्डिया लि0 एवं मै0 बी0जी0सी0सी0पी0एल0 रामकी (जे0वी0), दिल्ली द्वारा कराये जा रहे पेयजल योजनाओं के निर्माण कार्यों की समीक्षा की गयी, समीक्षा बैठक में उपस्थित निम्नानुसार रही :–

1. अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), हाथरस।
2. सहायक अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), हाथरस।
3. डी0पी0एम0, आरवी एसोसियेट (टी0पी0आई0), हाथरस।
4. डी0सी0,डी0पी0एम0यू0, हाथरस।
5. परियोजना प्रबन्धक, मै0 ऑयन एक्सचेंज इण्डिया लि0, अलीगढ़।
6. डी0पी0एम0, मै0 बी0जी0सी0सी0पी0एल0 रामकी (जे0वी0), हाथरस।

आयोजित समीक्षा बैठक में निम्न बिन्दुओं पर समीक्षा की गयी :–

1. ट्यूबैलों की समीक्षा :– अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), हाथरस द्वारा अवगत कराया गया है कि जल जीवन मिशन कार्यक्रम फेज–2 के अन्तर्गत मै0 ऑयन एक्सचेंज इण्डिया लि0 द्वारा 28 नग पेयजल योजनाओं में 91 नग ट्यूबैल के सापेक्ष 87 नग ट्यूबैलों पर बोरिंग का कार्य प्रारम्भ कराया गया है, जिसमें से 83 नग पर ओ0पी0 यूनिट लगाकर नलकूप बोरिंग का कार्य डब्लप्मेंट सहित पूर्ण किया गया है, जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा कडी नाराजगी व्यक्त की गयी और बैठक में उपस्थित फर्म के प्रतिनिधि से ट्यूबैलों की धीमी प्रगति के बारे में पूछे जाने पर अवगत कराया गया कि वर्तमान में 02 नग नलकूप पर बोरिंग का कार्य प्रगति पर है, शेष नलकूपों वाले स्थलों पर खारे पानी की अधिकता के कारण 02 ग्रामों क्रमशः गीगला एवं जारऊ में बोरिंग के प्रयास उपरान्त पानी खारा पाया गया जिस पर पुनः नवीन भूमि चिन्हित् करा दी गई है। उक्त के क्रम में अधोहस्ताक्षरी द्वारा अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) से पूछे जाने पर अवगत कराया गया कि शेष बचे नलकूपों की बोरिंग हेतु फर्म द्वारा चिन्हित भूमि पर कार्य करने में काफी विलम्ब किया जा रहा है, जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुये बैठक में उपस्थित फर्म के प्रतिनिधि एवं अधोहस्ताक्षरी को भूमि चिन्हांकन/विवाद की संयुक्त हस्ताक्षर रिपोर्ट संलग्न करने के निर्देश दिये गये तथा शेष सही स्थलों पर बोरिंग कराकर कार्य एक सप्ताह में पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया।

   तत्पश्चात अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), हाथरस द्वारा अवगत कराया गया है कि जल जीवन मिशन कार्यक्रम फेज–3 के अन्तर्गत पेयजल योजनाओं के निर्माण हेतु मै0 बी0जी0सी0सी0पी0एल0 रामकी (जे0वी0), दिल्ली द्वारा 252 नग पेयजल योजनाओं पर 364 नग ट्यूबैलों का निर्माण कार्य कराया जाना प्रस्तावित है, जिसके सापेक्ष फर्म द्वारा 351 नग ट्यूबैलों पर बोरिंग का कार्य प्रारम्भ कराया गया है, जिसमें से 219 नग नलकूपों को ओ0पी0 यूनिट एवं कम्प्रेसर लगाकार डब्लप्मेंट सहित पूर्ण किया गया है। ट्यबैलों की धीमी प्रगति पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा नाराजगी व्यक्त की गयी और बैठक में उपस्थित फर्म के प्रतिनिधि से उक्त के विषय में अवगत कराने को कहा गया, जिस पर प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान में 2 नग नलकूप बोरिंग का कार्य प्रगति पर है, जिसे 07 दिवस में पूर्ण करा लिया जायेगा तथा शेष नलकूपों पर शीघ्र ही बोरिंग का कार्य प्रारम्भ करा दिया जायेगा। उक्त के क्रम में अधोहस्ताक्षरी द्वारा अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) से पूछे जाने पर अवगत कराया गया कि नलकूपों की बोरिंग हेतु पर्याप्त मशीनरी एवं प्रशिक्षित मैन पॉवर न होने तथा विवादित भूमि के कारण नलकूप बोरिंग का कार्य नहीं हो पा रहा है। जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा ट्यूबवैल की अत्यन्त धीमी प्रगति में सुधार हेतु पर्याप्त मैन पॉवर लगाकर ट्यूबवैल को पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया।
2. पम्प हाउसों की समीक्षा :– अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), हाथरस द्वारा अवगत कराया गया है कि जल जीवन मिशन कार्यक्रम फेज–2 के अन्तर्गत मै0 ऑयन एक्सचेंज इण्डिया लि0 द्वारा 28 नग पेयजल योजनाओं में 91 नग पम्प हाउस निर्माण का कार्य कराया जाना प्रस्तावित है जिसके सापेक्ष फर्म द्वारा 10 नग पम्प हाउसों पर निर्माण कार्य कराया जा रहा है तथा 52 नग पम्प

Scanned by CamScanner

हाउसों का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा कडी नाराजगी व्यक्त की गयी और बैठक में उपस्थित फर्म के प्रतिनिधि से पम्प हाउस निर्माण कार्य की धीमी प्रगति के बारे में पूछे जाने पर अवगत कराया गया कि वर्तमान में 10 नग पम्प हाउसों पर निर्माण कार्य कराया जा रहा है तथा शेष 29 नग पम्प हाउसों पर शीघ्र ही कार्य प्रारम्भ करा दिया जाएगा। उक्त के क्रम में अधोहस्ताक्षरी द्वारा फर्म के प्रतिनिधि को शेष 29 नग पम्प हाउसों पर कार्य प्रारम्भ तथा पर्याप्त मैन पॉवर लगाकर कार्य को पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया तथा अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण) को उक्त कार्य को प्रारम्भ कराकर सूचित करने हेतु निर्देश प्रदान किये गये।

तत्पश्चात अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), हाथरस द्वारा अवगत कराया गया है कि जल जीवन मिशन कार्यक्रम फेज–3 के अन्तर्गत मै0 बी0जी0सी0सी0पी0एल0रामकी (जे0वी0), दिल्ली द्वारा 252 नग पेयजल योजनाओं पर 364 नग पम्प हाउस निर्माण कार्य कराया जाना प्रस्तावित है, जिसके सापेक्ष फर्म द्वारा 17 नग पम्प हाउसों पर निर्माण कार्य कराया जा रहा है तथा 246 नग पम्प हाउसों पर निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है पम्प हाउस निर्माण कार्य की धीमी प्रगति पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा नाराजगी व्यक्त की गयी और बैठक में उपस्थित फर्म के प्रतिनिधि से उक्त के विषय में अवगत कराने को कहा गया, जिस पर प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान में 17 नग पम्प हाउसों पर निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिसमें से 06 नग पम्प हाउसों को एक सप्ताह तक पूर्ण करा दिया जायेगा तथा शेष 101 नग पम्प हाउसों पर निर्माण कार्य शीघ्र ही प्रारम्भ करा दिया जाएगा। उक्त के क्रम में अधोहस्ताक्षरी द्वारा फर्म के प्रतिनिधि को शेष 101 नग पम्प हाउसों पर पर्याप्त मैन पॉवर लगाकर पम्प हाउस निर्माण कार्य को पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया तथा अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण) को उक्त कार्य को प्रारम्भ कराकर सूचित करने हेतु निर्देश प्रदान किये गये।

3. शिरोपरि जलाशयों (ओ0एच0टी0) की समीक्षा :– अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), हाथरस द्वारा अवगत कराया गया है कि जल जीवन मिशन कार्यक्रम फेज–2 के अन्तर्गत मै0 ऑयन एक्सचेंज इण्डिया लि0 द्वारा 28 नग पेयजल योजनाओं में 79 नग (69 नग स्टील स्टैजिंग, 7 नग कास्ट इन सीटू तथा 03 नग पूर्व निर्मित) शिरोपरि जलाशयों के निर्माण का कार्य कराया जाना प्रस्तावित है जिसके सापेक्ष फर्म द्वारा मात्र 45 नग (38 नग स्टील स्टैजिंग, 07 नग कास्ट इन सीटू तथा 03 नग पूर्व निर्मित पर मरम्मत का कार्य) शिरोपरि जलाशयों पर निर्माण कार्य प्रारम्भ कराया गया है जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा शिरोपरि जलाशयों की अत्यन्त धीमी प्रगति के कारण नाराजगी व्यक्त करते हुऐ कठोर शब्दों में बैठक में उपस्थित फर्म के प्रतिनिधि को शीघ्र ही सभी शिरोपरि जलाशयों पर कार्य प्रारम्भ कराने हेतु निर्देशित किया गया तथा अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) से शिरोपरि जलाशयों की अत्यन्त धीमी प्रगति के बारे में पूछे जाने पर अवगत कराया गया कि फर्म के पास 08 स्टील स्ट्रक्चर शिरोपरि जलाशय पर निर्माण कार्य प्रगति पर है, शेष शिरोपरि जलाशयों के निर्माण हेतु आवश्यक सामग्री एवं प्रशिक्षित मैन पॉवर न होने के कारण शिरोपरि जलाशयों के निर्माण कार्य की प्रगति अत्यन्त धीमी है।

तत्पश्चात अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), हाथरस द्वारा अवगत कराया गया है कि जल जीवन मिशन कार्यक्रम फेज–3 के अन्तर्गत मै0 बी0जी0सी0सी0पी0एल0 रामकी (जे0वी0), दिल्ली द्वारा 252 नग पेयजल योजनाओं पर 255 नग (163 नग प्री कास्ट एवं 92 नग कास्ट इन सीटू) शिरोपरि जलाशयों का निर्माण कार्य कराया जाना प्रस्तावित है जिसके सापेक्ष फर्म द्वारा 166 नग (88 नग प्री कास्ट एवं 78 नग कास्ट इन सीटू) शिरोपरि जलाशयों पर निर्माण कार्य प्रारम्भ कराया गया है। जिसमें 45 नग कास्ट इन सीटू शिरोपरि जलाशयों का निर्माण कार्य पूर्ण करा दिया गया हैं तथा प्री कास्ट शिरोपरि जलाशय पर कार्य विगत 12 माह से पूर्ण रूप से बन्द है, जिससे उन योजनाओं पर कोई प्रगति नहीं हो रही है। जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा शिरोपरि जलाशयों की अत्यन्त धीमी प्रगति के कारण नाराजगी व्यक्त करते हुऐ बैठक में उपस्थित फर्म के प्रतिनिधि को कार्यों की प्रगति को बढ़ाते हुए लक्ष्यानुसार सभी शिरोपरि जलाशयों पर कार्य प्रारम्भ कराकर समयान्तर्गत कार्य को पूर्ण करने के निर्देश प्रदान किये गये।

4. वितरण प्रणाली की समीक्षा :– अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), हाथरस द्वारा अवगत कराया गया है कि जल जीवन मिशन कार्यक्रम फेज–2 के अन्तर्गत मै0 ऑयन एक्सचेंज इण्डिया लि0 द्वारा 28 नग पेयजल योजनाओं पर 843 कि0मी0 वितरण प्रणाली बिछाने का कार्य प्रस्तावित है, जिसके सापेक्ष फर्म द्वारा वर्तमान तक 770 कि0मी0 वितरण प्रणाली बिछायी गयी है। फर्म द्वारा 102 ग्रामों (28 नग पेयजल योजना) मे वितरण प्रणाली बिछाने हेतु तोडे गये मार्गों में मात्र 79 ग्रामों में ही मार्ग

Scanned by CamScanner

पुर्नस्थापना का कार्य कराया गया है,जबकि विगत सभी समीक्षा बैठकों में फर्म को वितरण प्रणाली बिछाने हेतु तोड़े गये मार्गों के पुर्नस्थापना का कार्य समय से कराने हेतु निरंतर कडे निर्देश प्रदान किये जाते रहे हैं किन्तु फर्म द्वारा मार्गों की पुर्नस्थापना का कार्य समय से नहीं कराया जा रहा है। जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा बैठक में उपस्थित फर्म के प्रतिनिधि से मार्ग पुर्नस्थापना के विषय में अवगत कराने के लिए कहा गया, जिस पर प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि हमारे द्वारा तोडे गये 80 प्रतिशत मार्गों के पुर्नस्थापना का कार्य पूर्ण कर दिया गया है, जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा कहा गया कि मार्गों के टूटे होने की निरंतर शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। अधोहस्ताक्षरी द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए कडे शब्दों में चेतावनी दी की यदि मार्ग पुर्नस्थापना का कार्य समय से एवं ठीक प्रकार से नहीं किया जायेगा तो आपके विरूद्व दण्डात्मक कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि पेयजल योजनाओं के निर्माण हेतु 102 राजस्व ग्रामों में बिछायी गयी वितरण प्रणाली की वास्तविक स्थिति से अधिशासी अभियन्ता उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण) के माध्यम से अवगत कराना सुनिश्चित करें तथा आरबी एसोसिएट्स टी0पी0आई0 को मार्ग पुर्नस्थापना की वास्तविक स्थिति एवं गुणवत्ता की सूचना अधिशासी अभियन्ता उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण) के माध्यम से प्रेषित करने हेतु निर्देशित किया गया।

तत्पश्चात अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), हाथरस द्वारा अवगत कराया गया है कि जल जीवन मिशन कार्यक्रम फेज–3 के अन्तर्गत मै0 बी0जी0सी0सी0पी0एल0 रामकी (जे0वी0), दिल्ली द्वारा 252 नग पेयजल योजनाओं पर 2649 कि0मी0 वितरण प्रणाली बिछाने का कार्य प्रस्तावित है, जिसके सापेक्ष फर्म द्वारा वर्तमान तक 2003 कि0मी0 वितरण प्रणाली बिछायी गयी है, वितरण प्रणाली बिछाने की अत्यन्त धीमी प्रगति पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए फर्म के प्रतिनिधि को वितरण प्रणाली बिछाने की गति को तीव्र करने के निर्देश प्रदान किये। महोदय द्वारा वितरण प्रणाली बिछाने हेतु तोडे गये मार्गों की मार्ग पुर्नस्थापना का कार्य शीर्ष प्राथमिकता से करने के निर्देश प्रदान किये साथ ही यह भी कहा कि यदि मार्ग पुर्नस्थापना के कार्यों में लापरवाही की गयी तो आपके विरूद्व कठोर दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी।

5. गृह जल संयोजनों की समीक्षा :– अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), हाथरस द्वारा अवगत कराया गया है कि जल जीवन मिशन कार्यक्रम फेज–2 के अन्तर्गत मै0 ऑयन एक्सचेंज इण्डिया लि0 द्वारा 47984 नग गृह जल संयोजन का कार्य कराया जाना प्रस्तावित है जिसके सापेक्ष फर्म द्वारा 43610 नग गृह जल संयोजन का कार्य कराया गया है। जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा कडी नारजागी व्यक्त करते हुए फर्म के प्रतिनिधि को श्रमिकों की संख्या बढाते हुऐ तीव्र गति से कार्य कराये जाने के निर्देश प्रदान किये गये।

तत्पश्चात अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), हाथरस द्वारा अवगत कराया गया है कि जल जीवन मिशन कार्यक्रम फेज–3 के अन्तर्गत मै0 बी0जी0सी0सी0पी0एल0 रामकी (जे0वी0) द्वारा 160360 नग गृह जल संयोजन का कार्य कराया जाना प्रस्तावित है जिसके सापेक्ष फर्म द्वारा मात्र 71137 नग गृह जल संयोजन का कार्य करया गया है। जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा कडी नाराजगी व्यक्त की गयी और फर्म के प्रतिनिधि से गृह जल संयोजन की धीमी प्रगति के बारे में पूछे जाने पर अवगत कराया गया कि गृह जल संयोजन की टीम बढाकर तीन हजार नग जल संयोजन प्रति सप्ताह पूर्ण कराया जायेगा। जिस पर महोदय द्वारा अधिशासी अभियन्ता जल निगम ग्रामीण को गृह जल संयोजनों की प्रगति से अवगत कराने हेतु निर्देशित किया गया।

6. विद्युत संयोजन की समीक्षा :– जूनियर इन्जीनियर, वि0/या0 खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रा0) आगरा, द्वारा अवगत कराया गया कि जल जीवन मिशन कार्यक्रम फेज–02 के अन्तर्गत 90 नग नलकूपों पर विद्युत संयोजन कराया जाना प्रस्तावित है जिसके सापेक्ष फर्म द्वारा 81 नग नलकूपों पर विद्युत संयोजन हेतु आवेदन किया गया है, जिसमें 77 नग नलकूपों की विद्युत विभाग द्वारा टी0सी0 प्राप्त हो गई है जिसके सापेक्ष फर्म द्वारा मात्र 69 नग नलकूपों पर विद्युत संयोजन हेतु धनराशि जमा की गई है एवं 08 नग नलकूपों पर विद्युत संयोजन हेतु धनराशि जमा करना शेष है तथा मात्र 42 नग नलकूपों पर ही विद्युत संयोजन का कार्य कराया गया है।

जूनियर इन्जीनियर, वि0/या0, उ0प्र0 जल निगम (ग्रा0), आगरा द्वारा अवगत कराया गया कि जल जीवन मिशन कार्यक्रम फेज–03 के अन्तर्गत 157 नग नलकूपों पर विद्युत संयोजन कराया जाना प्रस्तावित है जिसके सापेक्ष फर्म द्वारा 139 नग नलकूपों पर विद्युत संयोजन हेतु आवेदन किया गया है, जिसमें 135 नग नलकूपों की विद्युत विभाग द्वारा टी0सी0 प्राप्त हो गई है जिसके सापेक्ष फर्म द्वारा मात्र 119 नग नलकूपों पर विद्युत संयोजन हेतु धनराशि जमा की गई है एवं 16 नग नलकूपों पर विद्युत

Scanned by CamScanner

संयोजन हेतु धनराशि जमा करना शेष है तथा मात्र 78 नग नलकूपों पर ही विद्युत संयोजन का कार्य कराया गया है। नलकूपों के विद्युत संयोजन की अत्यन्त धीमी प्रगति के कारण अधोहस्ताक्षरी द्वारा बैठक में उपस्थित फर्म के प्रतिनिधियों से विद्युत संयोजन की धीमी प्रगति का कारण पूछे जाने पर कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दिया गया है। जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा कड़ी नराजगी व्यक्त की गई तथा फर्मों के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया गया कि तीन दिवस के अन्दर विद्युत संयोजन हेतु वकाया धनराशि सम्बन्धित विद्युत वितरण खण्ड में जमा करने तथा नलकूपों पर शीघ्र अतिशीघ्र विद्युत संयोजन का कार्य कराने हेतु निर्देशित किया गया है तथा 252 नग पेयजल योजनाओं में से 207 नग पेयजल योजनाओं पर सोलर प्लान्ट स्थापन का कार्य कराया जाना प्रस्तावति है जिसके सापेक्ष फर्म द्वारा मात्र 45 नग पेयजल योजनाओं पर ही सोलर प्लान्ट स्थापन का कार्य कराया गया है, जिसपर अधोहस्ताक्षरी द्वारा फर्म के प्रतिनिधि से सोलर प्लान्ट स्थापन के कार्य की धीमी प्रगति के बारे में पूछे जाने पर अवगत कराया गया कि वर्तमान में फर्म के पास 207 नग सोलन प्लान्ट की आपूर्ति है तथा 47 नग पेयजल योजनाओं पर सोलर प्लान्ट स्थापन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा कडी नाराजगी व्यक्त करते हुए फर्म के प्रतिनिधि को शेष पेयजल योजनाओं सोलर प्लान्ट स्थापन का कार्य पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया।

बैठक के अन्त में अधोहस्ताक्षरी द्वारा जल जीवन मिशन कार्यक्रम फेज–02 एवं फेज–03 के अन्तर्गत कार्यरत फर्मो द्वारा निर्माणाधीन पेयजल योजनाओं के अन्तर्गत शेष रह गये कार्यों को पूर्ण करने हेतु माइक्रोप्लानिंग प्रस्तुत करने एवं आरबी एसोसिएट्स टी0पी0आई0 को प्रत्येक अवयव–वार कार्य की वास्तविक स्थिति एवं गुणवत्ता से अवगत तथा प्रतिदिन कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति रिपोर्ट के माध्यम से उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया है तथा समस्त संबंधितों को दिये गये निर्देशों का अक्षरशः पालन करने हेतु निर्देशित किया गया।

11/04/2025

(सुरेश चन्द्र केशरवानी)
मुख्य विकास अधिकारी
हाथरस

कार्यालय मुख्य विकास अधिकारी, हाथरस

पत्रांकः– 277 /ज0जी0मि0/3/1/(?)/43 दिनांकः– 11-04-2025

प्रतिलिपि :– निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आदेशपालनार्थ :–

1. जिलाधिकारी महोदय, हाथरस।
2. अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), हाथरस।
3. अधिशासी अभियन्ता (वि0 एवं यां0), उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), आगरा।
4. परियोजना निदेशक, मै0 ऑयन एक्सचेंज इण्डिया लि0, अलीगढ़।
5. ए0जी0एम0, मै0 बी0जी0सी0सी0पी0एल0 रामकी (जे0वी0), हाथरस।
6. डी0पी0एम0 आरवी एसोसियेट (टी0पी0आई0), हाथरस।
7. जिला समन्वयक, मैधज टैक्नो कॉन्सेप्ट (डी0पी0एम0यू0), हाथरस।

मुख्य विकास अधिकारी
हाथरस

Scanned by CamScanner

संयोजन हेतु धनराशि जमा करना शेष है तथा मात्र 78 नग नलकूपों पर ही विद्युत संयोजन का कार्य कराया गया है। नलकूपों के विद्युत संयोजन की अत्यन्त धीमी प्रगति के कारण अधोहस्ताक्षरी द्वारा बैठक में उपस्थित फर्म के प्रतिनिधियों से विद्युत संयोजन की धीमी प्रगति का कारण पूछे जाने पर कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दिया गया है। जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा कड़ी नराजगी व्यक्त की गई तथा फर्मों के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया गया कि तीन दिवस के अन्दर विद्युत संयोजन हेतु वकाया धनराशि सम्बन्धित विद्युत वितरण खण्ड में जमा करने तथा नलकूपों पर शीघ्र अतिशीघ्र विद्युत संयोजन का कार्य कराने हेतु निर्देशित किया गया है तथा 252 नग पेयजल योजनाओं में से 207 नग पेयजल योजनाओं पर सोलर प्लान्ट स्थापन का कार्य कराया जाना प्रस्तावति है जिसके सापेक्ष फर्म द्वारा मात्र 45 नग पेयजल योजनाओं पर ही सोलर प्लान्ट स्थापन का कार्य कराया गया है, जिसपर अधोहस्ताक्षरी द्वारा फर्म के प्रतिनिधि से सोलर प्लान्ट स्थापन के कार्य की धीमी प्रगति के बारे में पूछे जाने पर अवगत कराया गया कि वर्तमान में फर्म के पास 207 नग सोलन प्लान्ट की आपूर्ति है तथा 47 नग पेयजल योजनाओं पर सोलर प्लान्ट स्थापन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा कडी नाराजगी व्यक्त करते हुए फर्म के प्रतिनिधि को शेष पेयजल योजनाओं सोलर प्लान्ट स्थापन का कार्य पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया।

बैठक के अन्त में अधोहस्ताक्षरी द्वारा जल जीवन मिशन कार्यक्रम फेज-02 एवं फेज-03 के अन्तर्गत कार्यरत फर्मो द्वारा निर्माणाधीन पेयजल योजनाओं के अन्तर्गत शेष रह गये कार्यों को पूर्ण करने हेतु माइक्रोप्लानिंग प्रस्तुत करने एवं आरबी एसोसिएट्स टी0पी0आई0 को प्रत्येक अवयव-वार कार्य की वास्तविक स्थिति एवं गुणवत्ता से अवगत तथा प्रतिदिन कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति रिपोर्ट के माध्यम से उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया है तथा समस्त संबंधितों को दिये गये निर्देशों का अक्षरशः पालन करने हेतु निर्देशित किया गया।

(सुरेश चन्द्र केशरवानी)
मुख्य विकास अधिकारी
हाथरस

कार्यालय मुख्य विकास अधिकारी, हाथरस

पत्रांकः- 277 /ज0जी0मि0/-3 (सी.डी.ओ.) / 43 दिनांकः- 11-04-2025

प्रतिलिपि :- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आदेशपालनार्थ :-

1. जिलाधिकारी महोदय, हाथरस।
2. अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), हाथरस।
3. अधिशासी अभियन्ता (वि0 एवं यां0), उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), आगरा।
4. परियोजना निदेशक, मै0 ऑयन एक्सचेंज इण्डिया लि0, अलीगढ़।
5. ए0जी0एम0, मै0 बी0जी0सी0सी0पी0एल0 रामकी (जे0वी0), हाथरस।
6. डी0पी0एम0 आरवी एसोसियेट (टी0पी0आई0), हाथरस।
7. जिला समन्वयक, मैधज टैक्नो कॉन्सेप्ट (डी0पी0एम0यू0), हाथरस।

11/04/2025
मुख्य विकास अधिकारी
हाथरस

Scanned by CamScanner